मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 12 दिसंबर 2017

जेएमआई के सीसीएमजी में सात दिवसीय अनुसंधान कार्यशाला का उद्घाटन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशिष्ट क्षेत्र उत्कृष्टता क्षमता केन्द्र :सीपीईपीएः के अंतर्गत जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गवर्नेंस :सीसीएमजीः में सात दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रो वाईस चांसलर प्रो शाहिद अशरफ ने किया।

प्रोफेसर अशरफ ने कहा कि हर क्षेत्र में विद्वानों द्वारा अनुसंधान की समस्याओं की पहचान करना एक प्रमुख मुद्दा रहता है। अनुसंधानकर्ताओं का समस्याओं की पहचान करना और उसका समाधान खोजना और अनुसंधान को सही दिशा में ले जाना सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है।

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्स्टी के स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन :स्ट्राइडः के प्रोफेसर संतोष पांडा ने अपने मुख्य भाषण में अनुसंधान के विभिन्न मानदंडों का उल्लेख किया। उन्होंने अनुसंधान के चार प्रमुख मानदंडों का विशेष जिक्र किया जिनमें सकारात्मकता, रचनात्मकता, पक्षपोषण और भागीदारी एवं व्यवहारिक अनुसंधान शामिल है।

सीसीएमजी के निदेशक प्रोफेसर विश्वजीत दास ने अपने स्वागत भाषण में कार्यशाला का संक्षिप्त में उद्देश्य बताया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में विभिन्न पृष्ठभूमि, विभिन्न विश्वविद्यालयों और विभिन्न क्षेत्रों के लोग हिस्सा ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सीसीएमजी अंतः विषय संवाद और कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है और इसीलिए इस कार्यशाला के लिए विविघ समूह के लोगों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के लिए 500 से अधिक आवेदन मिले थे जिसमें से 45 का चयन किया गया है और ऐसा करते हुए यह ध्यान में रखा गया है कि ये लोग विभिन्न पृष्ठभूमि के हों जिससे सभी के अनुभवों को बांटा जा सके।

उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रमुख शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के व्याख्यान होंगे।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर